सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

अजीत डोभाल से मिले चीनी विदेश मंत्री

कानपुर, मंगलवार, 19 अगस्त, 2025
वर्षः 02, अंकः 220, पृष्ठः 8+4

इनसाइड अश्लील किताब छपवाकर करता था ब्लैकमेलिंग... » Pg 07

» Pg 12

बाराबंकी: 2 साल से नहीं हो रही थी सुनवाई

डीएम के चरणों में गिरी महिला

जहर की पुड़िया लेकर डीएम दरबार पहुँची बेटी, अफसरशाही की बेदिली की एक मार्मिक कहानी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। सोमवार को हैदरगढ़ तहसील परिसर उस वक्त सन्नाटे में डूब गया, जब संपूर्ण समाधान दिवस पर भीड़ के बीच एक युवती जिलाधिकारी के चरणों में गिर गई। हाथ में जहर की पुड़िया थी और आंखों में दो साल की जद्दोजहद का दर्द।

उसका नाम सत्यभामा है-स्वर्गीय तेज बहादुर सिंह की बेटी। सत्यभामा की समस्या न तो करोड़ों का घोटाला थी और न ही किसी बड़ी जमीन का विवाद। बस उसके गांव की नाली नापदारी की शिकायत थी, जिसके समाधान के लिए वह दो साल से तहसील और थाने के चक्कर काट रही थी। मगर अफसरशाही की फाइलों और टालमटोल ने उसकी आवाज को हमेशा दबा दिया।

हताशा की इंतिहा तब हुई, जब उसने तहसील में ही चूहा मार दवा खाकर आत्महत्या करने की चेतावनी दे डाली।

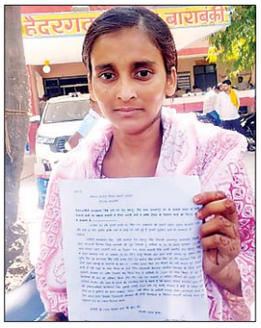

» डीएम के चरणों में गिरने का वीडियो वायरल होने के बाद सियासी हलचल

» डीएम ने तुरंत राजस्व और पुलिस अधिकारियों को कार्रवाई के आदेश दिए

उपस्थित हर शख्स दहल उठा। सुरक्षा कर्मियों ने पहले उसे जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी से मिलने से रोका, लेकिन जब वह किसी तरह सभागार तक पहुँची तो सबकी आँखों के सामने अफसरशाही की उदासीनता का वह घाव खुलकर सामने आ गया। जिलाधिकारी ने जब उसकी पीड़ा सुनी तो तुरंत राजस्व और पुलिस अधिकारियों को मौके पर कार्रवाई के आदेश दिए। अफसर तत्काल पीड़िता को लेकर गांव रवाना हो गए और जल्द समाधान का आश्वासन दिया। वहीं डीएम का कहना है प्रकरण संज्ञान में आया है, लापरवाही बरतने वालों पर कार्यवाही होगी।

उठे सवाल

» क्या इस देश में न्याय पाने के लिए हर सत्यभामा को जहर की पुड़िया साथ रखनी पड़ेगी?

» क्या अफसरशाही तभी जागेगी, जब पीड़ित मौत की धमकी दे?

यह घटना सिर्फएक युवती का दर्द नहीं, बल्कि व्यवस्था की उस सच्चाई का आईना है, जिसमें आमजन की समस्या फाइलों की धूल में दबकर रह जाती है।

नारायणन ने दी जानकारी

बन रहा अंतरिक्ष में 75 टन भार ले जाने के लिए 40 मंजिला ऊंचे रॉकेट

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख वी. नारायणन ने मंगलवार को कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी 40 मंजिला इमारत जितना ऊंचा रॉकेट बना रही है, जो 75 किलोग्राम का पेलोड पृथ्वी की निचली कक्षा में भेज सकेगा। नारायणन ओस्मानिया विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि इस साल इसरो के पास एनएवीआईसी उपग्रह, एन1 रॉकेट जैसी परियोजना हैं। साथ ही उसके पास अमेरिकी 6,500 किलोग्राम के संचार उपग्रह को भारतीय रॉकेट के जरिए कक्षा में भेजने का भी काम है।

सुधरते रिश्ते

चीनी कंपनियों से आने वाले एफडीआई प्रस्तावों को जल्दी निपटाने की तैयारी में

ट्रंप को चुभेगा 200 का ये आंकड़ा, भारत ने चीन की राह बनाई आसान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बैठे-बैठाए मुसीबत मोल ले ली है। भारत पर दबाव बनाने की उनकी चाल उलटी पड़ती दिख रही है। टैरिफ के संग्राम में भारत और चीन के करीब आने से पूरी बाजी एकदम से पलट गई है। अब भारत ने कुछ ऐसा किया है जो ट्रंप को बहुत चुभ सकता है। सरकार चीन के लिए भारत में पैसा लगाने की राह आसान कर रही है। यह दोनों देशों के रिश्तों में बेहतरी का बड़ा संकेत है। यह सबकुछ ऐसे समय

200 एफडीआई प्रपोजल को मंजूरी का इंतजार

प्रेस नोट 3 के तहत चीन के लगभग 200 एफडीआई प्रपोजल लंबित हैं। इस नियम के अनुसार, भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से निवेश के लिए सरकार से पहले मंजूरी लेनी होती है। सरकार आईएमसी और कैबिनेट सचिवालय से मंजूरी मिलने के बाद इन्हें तेजी से निपटा सकती है। कई चीनी कंपनियों को लंबे समय से अपने प्रस्तावों को मंजूरी मिलने का इंतजार है।

हो रहा है जब ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। इससे अमेरिका में भारतीय सामानों पर 27 अगस्त से टैरिफ बढ़कर 50 प्रतिशत हो जाएगा। रूसी तेल खरीदने के कारण ट्रंप ने यह टैरिफ लगाया है।

सरकार चीनी कंपनियों से आने वाले एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) प्रस्तावों को जल्दी निपटाने की तैयारी में है। इसके लिए सरकार ने मंजूरी की प्रक्रिया को आसान बनाने के निर्देश दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, गृह सचिव की अध्यक्षता वाली अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) अब इन प्रस्तावों पर तेजी से काम करेगी। पिछले हफ्ते आईएमसी की एक बैठक भी हुई थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हमें स्पष्ट निर्देश हैं। आवेदनों को प्रोसेस करने में लगने वाले समय को कम करें।' सूत्रों की मानें तो रिन्यूएबल एनर्जी, मैन्युफैक्चरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे गैर-महत्वपूर्ण क्षेत्रों के प्रस्तावों पर अभी विचार किया जा रहा है।

गंगा में उफान से तटवर्ती गांव जलमग्न

» चेतावनी बिंदु पार, लगातार बढ़ रहा है गंगा का जलस्तर

» गांवों में बिजली बंद, सड़कें बनी नदी नाव से हो रहा आवागमन

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और खतरे की स्थिति बनती जा रही है। नदी ने चेतावनी बिंदु 113 मीटर पार कर लिया है और अब खतरे के निशान (114 मीटर) की ओर तेजी से बढ़ रहा है। पानी तटवर्ती गांवों में घुस जाने से लोगों का सामान्य जीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। कई गांवों में गलियां और मुख्य सड़कें पानी में डूब गई हैं। हालात ऐसे हैं कि जहां कभी गाड़ियां दौड़ती थीं, आज वहां नावें चल रही हैं। ग्रामीणों के घरों के सामने से गुजरते पानी ने जनजीवन को थाम दिया है।

नवाबगंज के भारतपुरवा और भगवानदीन पुरवा गांव में तो हालात बेहद बिगड़ गए हैं। लोगों का कहना है कि पानी लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे घरों में सामान तक डूबने की आशंका है। इसी बीच, अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने गांवों में बिजली आपूर्ति काट दी है, जिससे लोग मोमबत्तियों और लालटेन की रोशनी में रहने को मजबूर हैं।

फसलें बर्बाद, मवेशियों के लिए चारे का संकट

नरौरा और हरिद्वार से छोड़े गए पानी के चलते कटरी क्षेत्र की लगभग एक हजार बीघा से अधिक फसल जलमग्न हो गई है। किसानों की हरी-भरी सब्जियों की खेती

बाढ़ प्रभावित गांव पहुंचे विधायक अभिजीत सिंह सांगा

जैसे तरोई, भिंडी, लौकी, कद्दू और खीरा पूरी तरह से चौपट हो चुकी है। खेतों में खड़ा पानी निकलने का नाम ही नहीं ले रहा, जिससे सैकड़ों किसानों की मेहनत बर्बाद हो गई है। अमरूद के बगीचों में भी पानी भर जाने से फसल की तोड़ाई करना असंभव हो गया है। किसान हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं और सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर मवेशियों के लिए चारे की भारी दिक्कत शुरू हो गई है। ग्रामीण बताते हैं कि चारा पूरी तरह से पानी में डूब गया है और उन्हें दूर-दराज के क्षेत्रों से चारा लाना पड़ रहा है। प्रशासन की ओर से बाढ़ प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि यह मदद जरूरत के हिसाब से नाकाफी है। लोग चिंता में हैं कि अगर पानी इसी तरह और बढ़ता रहा तो गांव छोड़कर आश्रय स्थलों की ओर जाना ही पड़ेगा।

विधायक अभिजीत सिंह सांगा नाव से पहुंचे बाढ़ग्रस्त गांव

सिंचाई विभाग और प्रशासन ने गंगा के बढ़ते जलस्तर पर लगातार नजर रखने के लिए विशेष टीमों को तैनात किया है। विभाग का कहना है कि नरौरा बांध से छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा में कुछ कमी आने से जलस्तर बढ़ने की रफ्तार फिलहाल धीमी जरूर हुई है, लेकिन खतरा टला नहीं है। कटरी क्षेत्र और आसपास के गांवों में आवागमन केवल नाव से ही संभव हो पा रहा है। कई गांवों की सड़कें पूरी तरह जलमग्न हैं और लोग घरों में कैद होकर रह गए हैं। हालात ऐसे हैं कि अटल घाट, परटम घाट, भैरोघाट और सरसैया घाट तक पानी भर गया है। भगवतदास घाट पर विद्युत शवदाह गृह की तरफ भी पानी बढ़ता जा रहा है, जिससे वहां पर भी संकट खड़ा हो गया है। इस बीच, बिठूर विधायक अभिजीत सिंह सांगा व एसडीएम सदर अनुभव सिंह नाव और ट्रैक्टर से बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंचे। उन्होंने भगवानदीन पुरवा और चैनपुरवा गांवों में राहत सामग्री बांटी और ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की। प्रशासन का कहना है कि हालात पर 24 घंटे पैनी नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर और भी बचाव टीमें तैनात की जाएंगी।

इंस्टाग्राम पोस्ट के बाद लिव-इन में रह रही महिला ने की आत्महत्या

» पति से अलग होकर रह रही थी ऑटो चालक के साथ

» सुसाइड से पहले सोशल मीडिया पर लिखी दर्दभरी दास्तां

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। नौबस्ता क्षेत्र में लिव-इन रिलेशनशिप का दर्दनाक अंत हो गया। 28 वर्षीय अंजलि गौतम ने रविवार देर रात इंस्टाग्राम पर अपनी दर्दभरी पोस्ट साझा करने के बाद फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

घटना की जानकारी होने पर आसपास के किराएदारों ने पुलिस को सूचना दी। नौबस्ता पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी।

अंजलि की बड़ी बहन अर्चना के अनुसार, उसने नौ साल पहले नौबस्ता निवासी पेंटिंग कारीगर आकाश गुप्ता से प्रेम विवाह किया था। उससे दो बच्चे आर्यन और आर्या भी हैं।

लेकिन कुछ समय से वैवाहिक विवाद के चलते वह पति से अलग

मृतका की फाइल फोटो

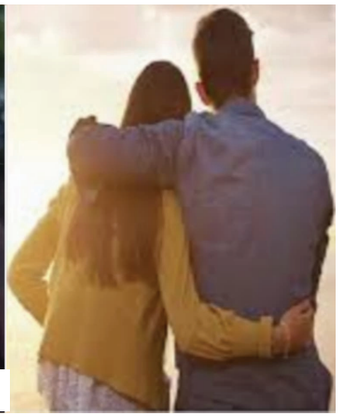

रह रही थी। पांच माह पहले उसने ऑटो चालक आकाश गौतम के साथ लिव-इन में रहना शुरू किया था। रविवार देर रात अंजलि ने कमरे में पंखे से फांसी लगा ली। घटना के बाद आकाश मौके से फरार हो गया। बहन अर्चना ने बताया कि विवाह के बाद से ही स्वजन अंजलि से अधिक संबंध नहीं रखते थे। आत्महत्या से कुछ घंटे पहले ही उसने इंस्टाग्राम पर अपनी दर्दभरी दास्तां पोस्ट की थी। सुबह काफी देर तक दरवाजा न खुलने पर जब पड़ोसियों ने झांककर देखा तो उसका शव फंदे से लटकता मिला। थाना प्रभारी शरद तिलारा ने बताया कि आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। स्वजन का कहना है कि संभवतः पछतावे के कारण उसने यह कदम उठाया।

लॉयर्स चुनावः कड़ी सुरक्षा के बीच हो रहा शांतिपूर्ण मतदान

निर्मल तिवारी स्वराज इंडिया

कानपुर । लॉयर्स चुनाव में मतदान पुलिस की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था में शांतिपूर्ण माहौल में चल रहा है। सुबह के समय जहां मतदान की रफ्तार बहुत धीमी रही वहीं एक बजे के बाद अधिवक्ता जत्थे के रूप में पैदल ही कचेहरी कैंपस से डीएवी डिग्री कॉलेज जाते नजर आए। कचहरी कैंपस से डीएवी डिग्री कॉलेज तक सड़क प्रत्याशियों के समर्थकों और प्रचार सामग्री से पटी नजर आई। प्रत्याशी और समर्थक अंतिम समय तक मतदाताओं से गुजारिश और मनुहार का कोई मौका नहीं छोड़ना चाह रहे थे।

किसी का अनुमान त्रिकोणीय तो किसी ने किया सीधी टक्कर का दावा

लॉयर्स चुनाव के आज हो रहे मतदान में वैसे तो 74 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होना है लेकिन आकर्षण और जिज्ञासा के केंद्र में अध्यक्ष और महामंत्री का पद ही रहता है ।

अगर अध्यक्ष पद पर चुनाव तो 6प्रत्याशियों ने लड़ा लेकिन अनूप कुमार द्विवेदी, राकेश सचान और अरविंद दीक्षित के मध्य कांटे की लड़ाई मानी जा रही है। इसी प्रकार महामंत्री पद पर आठ प्रत्याशी हैं लेकिन जानकारों का कहना है कि राजीव यादव, सुनील कुमार पांडे और नवनीत कुमार पांडे के बीच त्रिकोणीय लड़ाई नजर आ रही है।

क्यू आर पर्ची में मिसप्रिंट से हुई असुविधा

एल्डर्स कमेटी ने मतदान के लिए सीओपी और क्यू आर पर्ची को अनिवार्य कर दिया था। मतदान करने पहुंचे बहुत से अधिवक्ताओं की क्यू आर पर्ची में लिखे नाम और नम्बर सीओपी से मिसमैच नजर आ रहे थे, जिसके चलते अधिवक्ताओं को असुविधा का सामना करना पड़ा। हालांकि वहां पर कैंप लगाए एल्डर्स कमेटी के सदस्य तत्काल संशोधन भी करते नजर आए।

मतगणना कल से लॉयर्स सभागार में होगी

मतदान सम्पन्न होने के बाद मतपेटियां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में लॉयर्स सभागार कक्ष लाई जाएंगी जिनकी सीसीटीवी कैमरे से सतत निगरानी भी होगी । मतगणना कल से शुरू होगी। सबसे पहले अध्यक्ष और महामंत्री पद की मतगणना होगी । संभवतः कल शाम तक अध्यक्ष और महामंत्री का चुनाव परिणाम आ जाएगा । सभी पदों की मतगणना में लगभग तीन दिन का समय लगेगा ।

प्रधानमंत्री भी चुनाव मैदान में

कानपुर लॉयर्स चुनाव में अध्यक्ष पद पर प्रधानमंत्री भी चुनाव मैदान में हैं। चौंकिए नहीं हम प्रधानमंत्री मोदी की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि अध्यक्ष पद के एक ऐसे प्रत्याशी के विषय में बता रहे हैं जिन्हें कानपुर कचहरी में अधिवक्ताओं ने प्रधानमंत्री उपनाम दिया। दरअसल वर्ष 2010-11के बार एसोसिएशन चुनाव में दिनेश चंद्र वर्मा मंत्री पद पर चुने गए थे। उसी दौरान उन्होंने फतेहपुर जिले के अमौली ब्लॉक स्थित अपने गांव से प्रधान का चुनाव भी जीता । इस प्रकार वर्ष 2010-11में दिनेश चंद्र वर्मा कानपुर बार एसोसिएशन के मंत्री और अपने गांव के प्रधान की दोहरी जिम्मेदारी निभा रहे थे ।

इसी दोहरी भूमिका को लेकर साथी अधिवक्ताओं ने उन्हें प्रधानमंत्री कहना शुरू कर दिया। आज भी साथी अधिवक्ता उन्हें प्रधानमंत्री कहकर संबोधित करते हैं। बताते चलें वर्ष 2010- 11 के दौरान ही कानपुर कचहरी में अधिवक्ताओं का एक बहुत बड़ा आंदोलन भी हुआ था, जिसकी शुरुआत कचहरी कैंपस के बहुमंजिले भवन में पुलिस लाठीचार्ज से हुई थी और परिणति तत्कालीन जिलाजज के स्थानांतरण से हुई थी।

रंगदारी के एक और मुकदमे में अखिलेश और लवी की हिरासत मंजूर, कड़ी सुरक्षा में सीजेएम कोर्ट में हुई पेशी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में भाजपा नेता को झूठे मुकदमे में फंसाकर रंगदारी मांगने और धमकाने के मामले में जेल भेजे गए अधिवक्ता अखिलेश दुबे और आयुष उर्फ लवी मिश्रा पर विवेचक ने सबूतों के आधार पर दो और धाराएं बढ़ाई थीं। इन धाराओं में दोनों की न्यायिक हिरासत सीजेएम कोर्ट ने मंजूर कर ली है। वहीं, कोतवाली में अधिवक्ता की ओर से दर्ज कराए गए रंगदारी वसूलने से संबंधित मुकदमे में भी अखिलेश दुबे की न्यायिक हिरासत मंजूर हो गई है।

कड़ी सुरक्षा में दोनों को सीजेएम कोर्ट में पेश किया गया। जहां से न्यायिक हिरासत मंजूर होने के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया। भाजपा नेता रवि सतीजा ने पॉक्सो एक्ट के तहत झूठा मुकदमा दर्ज कर रंगदारी मांगने के आरोप में अखिलेश दुबे व उसके साथियों पर बर्रा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मुकदमे में विवेचक ने कोर्ट से सात धाराओं में अखिलेश व लवी की न्यायिक हिरासत मंजूर करने की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने पर्याप्त सबूत न होने पर सिर्फ तीन धाराओं में ही न्यायिक हिरासत मंजूर की थी।कोर्ट ने दोनों को कर लिया था तलब

विवेचना के दौरान पुलिस ने कुछ और सबूत जुटाए हैं, जिनके आधार पर विवेचक ने अखिलेश और लवी पर धारा 308 (7) और 61 (2) की बढ़ोतरी करने की बात कही। दोनों के खिलाफ किसी को मौत या उम्रकैद से संबंधित सजा वाले मुकदमे का डर दिखाकर रंगदारी वसूलने और आपराधिक षड्यंत्र रचने से संबंधित सबूत मिलने की बात कही है। इन दोनों धाराओं में न्यायिक हिरासत मांगने की अर्जी पर कोर्ट ने दोनों को तलब किया था। इसी तरह कोतवाली में एक अधिवक्ता ने अखिलेश दुबे व पप्पू स्मार्ट समेत दस नामजद लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

इसमें कहा था कि उन्होंने राजा ययाति के किले और लोक निर्माण विभाग की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले हिस्ट्रीशीटर पप्पू स्मार्ट के गिरोह के लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इससे रंजिश मानकर गिरोह के लोगों ने अखिलेश दुबे के साथ मिलकर उन्हें पॉक्सो एक्ट के दो झूठे मुकदमों में फंसा दिया और इन्हें खत्म कराने के नाम पर दस लाख रुपये रंगदारी मांगी।

प्रतिष्ठा बचाने के लिए उन्होंने एक लाख रुपये दिए, लेकिन इसके बाद भी यह लोग नहीं माने। इस मुकदमे में भी अखिलेश दुबे न्यायिक हिरासत में लेने के लिए विवेचक ने कोर्ट में अर्जी दी थी।

अफवाहबाजों पर पुलिस की नजर

एक दर्जन चिन्हित

■ बीती रात संदिग्ध महिला ने उड़ाई लोगों की नींद
■ अफवाहों से मचा हड़कंप, खुफिया तंत्र भी अलर्ट

विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने आईएएस चयनित आशुतोष को मिठाई खिलाकर दी बधाई।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। कस्बे में आधी रात को उठने वाला चोर-चोर और बदमाश-बदमाश का शोर अब पुलिस के लिए सिरदर्द बन गया है। पिछले दो हफ्तों से कुत्तों के भौंकने के साथ ही अफवाह फैलाने वाले तत्व चिल्ला पड़ते हैं चोर आ गए, बदमाश घुस आए हैं। नतीजा, हर रोज पुलिस की गश्त बेवजह दौड़-भाग करती है और खाली हाथ लौट आती है। कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने बताया कि कुछ अराजक तत्व माहौल बिगाड़ने के लिए फर्जी चोर आने की सूचनाएं फैला रहे हैं। अब तक करीब एक दर्जन लोगों को चिन्हित किया जा चुका है। पुलिस ने रात की गश्त बढ़ा दी है और चेतावनी दी है कि अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। उधर खुफिया तंत्र भी पूरी तरह सक्रिय कर दिया गया है, ताकि पता लगाया जा सके कि आखिर हर रात यह शोर क्यों और कैसे उठ रहा है, और इसके पीछे कौन लोग हैं।

संदिग्ध महिला ने उड़ाई लोगों की नींद : कस्बे में चोर-बदमाश की अफवाहों के बीच अब संदिग्ध हलचल भी सामने आने लगी है। बीती रात करीब 1 बजे एक महिला बैग टांगे बस्ती में घूमती दिखाई दी।

रातभर चोरों की दहशत से जागकर रखवाली कर रहे लोग तुरंत सतर्क हुए। पूछताछ करने पर महिला भाग खड़ी हुई। लोगों ने आशंका जताई कि वह अकेली नहीं थी, बल्कि उसके साथ और भी लोग हो सकते थे। यह खबर जंगल में आग की तरह फैल गई और पूरे मोहल्ले में सनसनी मच गई। दहशत के साये में लोगों की नींद एक बार फिर उचट गई।

अभी तक पकड़ में कोई नहीं आया

कस्बे में अफवाहों का बाजार गर्म है। बदमाश घुस आए हैं... चोर आ गए हैं, जागते रहना... जैसी आवाज़ें उठते ही लोग घरों से बाहर निकल आते हैं। कोई कहता- अभी इधर देखा गया, उधर से भाग गया, तो कोई दावा करता कसौड़े के लोगों ने पकड़ लिया। कभी चर्चा फैलती है कि मदरसे के पास डॉ. हुसैन के घर में लगे कैमरे में कैद हुआ चोर, तो कभी यह कि टावर पर चढ़ा है चोर। लेकिन शिक्षक डॉ. हुसैन ने स्वराज इंडिया से कहा, पूरी रात की रिकॉर्डिंग चेक की गई, यह सब केवल अफवाहें हैं। उधर स्थानीय निवासी जीशान कुरैशी ने बताया कि अफवाहों के डर से लोगों की नींद हराम हो गई है।

भौसाना के आशुतोष शुक्ला बने आईएएस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» विधायक ने आशुतोष से युवाओं को प्रेरणा लेने की अपील की

» आशुतोष के चयन होने से पूरे इलाके में दोड़ गई हर्ष की लहर

» प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में सहयोग करने का किया वादा

बिल्हौर। विधानसभा क्षेत्र के भौसाना गांव के निवासी आशुतोष शुक्ला का भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में चयन होने से पूरे इलाके में हर्ष की लहर है। गाँव ही नहीं, पूरे क्षेत्र के लोग इस उपलब्धि को अपनी उपलब्धि मानकर गर्व महसूस कर रहे हैं।

विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने सोमवार को आशुतोष के घर पहुंचकर उन्हें और उनके माता-पिता को मिठाई खिलाकर बधाई दी। उन्होंने कहा कि आशुतोष ने मेहनत और लगन से न सिर्फ अपने परिवार का नाम रोशन किया है बल्कि पूरे विधानसभा क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। विधायक ने युवाओं से अपील की कि वे आशुतोष से प्रेरणा लें और इसी तरह कठिन परिश्रम से सफलता हासिल करें। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए वे हरसंभव सहयोग करेंगे। इस दौरान ध्यान ठाकुर, विपिन चौरसिया, समेत कई लोग मौजूद रहे।

'आदेश आया... और रातोंरात 10.53 लाख का भुगतान'

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» आधी रात में ग्राम पंचायत खाते से निकाले 10.53 लाख

» लाखों रूपये पांच मिनट में अलग-अलग फर्मों के खातों में ट्रांसफर

चौबेपुर,बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर तहसील के चौबेपुर ब्लॉक की चौबेपुर कला ग्राम पंचायत से जुड़ा एक बड़ा वित्तीय खेल सामने आया है। ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) को हटाने का आदेश आते ही उन्होंने पंचायत के खाते से लाखों रुपये का भुगतान कर दिया। सूत्रों के मुताबिक जिस दिन पंचायत सचिव पद पर नई तैनाती का आदेश जारी हुआ, उसी रात करीब 12:38 बजे गेट वे पोर्टल से 10.53 लाख रुपये चार अलग-अलग फर्मों के खातों में ट्रांसफर कर दिए गए। आश्चर्य की बात यह रही कि ये सभी भुगतान महज़ पांच मिनट के अंदर निपटा दिए गए। सबसे अधिक धनराशि कथित रूप से कुछ ठेकेदारों से जुड़ी कंपनियों को दी गई, वहीं 3.42 लाख रुपये प्रशासनिक व्यय के नाम पर निकालना भी संदेह के घेरे में है। ब्लॉक स्तर के अधिकारियों तक को इसकी भनक नहीं लगी। ग्राम पंचायत चौबेपुर कला में महिला सचिव की नियुक्ति का आदेश आते ही यह पूरा लेन-देन किया गया।

सौंपा ज्ञापन **बजरंग दल ने 20 अगस्त से उग्र आंदोलन की चेतावनी**

'खोधन गौशाला कांड में अधिकारियों पर हो सख्त कार्रवाई'

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हिन्दू संगठनों के पदाधिकारी।

बिल्हौर (कानपुर)। खोधन गांव की गौशाला में पांच गौवंशों की मौत और दर्जनों की मरणासन्न हालत के मामले में अब हिंदू संगठनों ने प्रशासन को कठघरे में खड़ा कर दिया है। सोमवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारियों ने एसडीएम बिल्हौर संजीव दीक्षित को ज्ञापन सौंपकर जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया है कि गौशाला में लगभग 65 लाख रुपये प्रतिवर्ष बजट आता है, इसके बावजूद चारे-पानी के अभाव में गौवंशों की मौतें भ्रष्टाचार की पुष्टि करती हैं। संगठनों ने खंड विकास अधिकारी, पूर्व सचिव, पशु चिकित्सा अधिकारी व ग्राम प्रधान के निलंबन की मांग की है।

साथ ही पूर्व उपजिलाधिकारी व चारा सप्लायर फैजल की भूमिका की जांच कराने की भी मांग की गई है। साथ ही पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि 20 अगस्त तक कार्रवाई नहीं हुई तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

सम्पादकीय

जिम्मेदारी-जवाबदेही का भी है दायित्व

हमारे बीच वो पीढ़ी अपनों के सपनों का आकाश तलाश रही है, जिसने आजादी के लिये संघर्ष के त्रास को करीब से महसूस नहीं किया। सदियों वाली गुलामी की त्रासदी क्या होती है, पहले स्वतंत्रता दिवस पर देशव्यापी उल्लास के जुनून में इसकी झलक देखी जा सकती थी। निस्संदेह, बड़े जतन से हासिल किसी कामयाबी को वही व्यक्ति गहरे तक महसूस कर सकता है, जिसने उससे जुड़े त्रास को सहा हो। बेशक, इस आजादी की कीमत का अहसास नई पीढ़ी को होना चाहिए। लेकिन हाल के वर्षों में हम लोक-व्यवहार में ऐसी अराजकता देख रहे हैं, जो हमारी आजादी के दुरुपयोग की परिणति है। किसी भी आजादी का महत्व तभी तक है जब हम अपने व्यवहार में गरिमा, जिम्मेदारी व जवाबदेही का भाव लाएं। सार्वजनिक स्थलों, ट्रेन व बसों में खाद्य वस्तुओं-फलों के अवशेष तथा पेय पदार्थों की बोतलों के अंबार लगे होते हैं। जो बताते हैं कि हम अपनी आजादी का कितना दुरुपयोग कर रहे हैं। जब आप ट्रेन से सफर कर रहे हों तो देखेंगे कि तमाम लोग चीजें खाकर उनके रैपर, प्लास्टिक की थैलियां तथा कोल्ड ड्रिंक की खाली बोतलें खिड़की से बाहर फेंक देते हैं। प्लास्टिक का कचरा रेल की पटरियों में जहां-तहां बिखरा रहता है। आखिर कौन उठाएगा इस कचरे को? कमोबेश बस स्टेशनों और रेलवे स्टेशनों पर भी ऐसी स्थिति बनी रहती है कि लोग कूड़ा-दान बने होने के बावजूद कचरे को फर्श पर फेंक देते हैं। निश्चय ही इस बाबत जवाबदेही तय करने की जरूरत है। इसी तरह लोग सड़क पर चलती कार से प्लास्टिक का कचरा सड़क पर फेंक देते हैं। जाहिर है सारे रास्ते की नियमित सफाई नहीं होती। प्लास्टिक का सामान गलता नहीं है और सालों-साल वहीं पड़ा जीव-जंतुओं के लिये मुसीबत पैदा करता है। कमोबेश, हिल स्टेशनों पर भी पर्यटक बड़ी मात्रा में प्लास्टिक व अन्य कचरा पहाड़ों पर छोड़ आते हैं। जो जल स्रोतों व भूमि की उर्वरता को बाधित करता है।इसी तरह देश की जीवनदायिनी नदियां हमारे फेंके गए कचरे से बुरी तरह प्रदूषित हो गई हैं। आस्था की हमें आजादी है लेकिन पूजा के बचे सामान, मूर्ति विसर्जन तथा प्लास्टिक की थैलियों को नदियों में बहाने की हमें आजादी नहीं है। आज नदियों का पानी आचमन तो दूर, सिंचाई की दृष्टि से भी विषैला हो गया है। दिल्ली में यमुना नदी में विषैले रसायनों का उफनता झाग फैक्ट्री मालिकों की निरंकुश आजादी का दंश है, जो जहरीले रासायनिक अवशेषों को जीवनदायिनी नदियों में बहा देते हैं। आखिर शासन-प्रशासन कहां तक निगरानी करेगा।

पर्यावरण भी प्राथमिकता हो डिजिटल युग में

प्रदीप शर्मा

अब हम ऐसे प्राइमरी स्कूलों की संभावनाएं देख रहे हैं, जहां बच्चों को आरंभ से ही डिजिटल और कृत्रिम मेधा की शिक्षा दी जाएगी। लेकिन इस दौड़ में कहीं स्कूलों की हरियाली समाप्त न हो जाए। कहीं खेल मैदान बहुमंजिला इमारतों की भेंट न चढ़ जाएं।शिक्षा वह माध्यम है, जिसके सहारे हम तेजी से बदलती दुनिया के साथ कदम से कदम मिला सकते हैं। आज की दुनिया में कृत्रिम मेधा का बोलबाला है। रोबोट मनुष्य का स्थान लेने लगे हैं, क्योंकि संपन्न निवेशकों को लागत प्रबंधन में यही उपयुक्त लगता है।

ऐसे में शिक्षा को यह सुनिश्चित करना होगा कि ज्ञान सही दिशा में पहुंचे, न कि डीपफेक और साइबर अपराध जैसे खतरनाक गलियारों में खो जाए।यदि सर्वेक्षण बताते हैं कि बच्चों को दस तक का पहाड़ा या प्रतिशत निकालना भी नहीं आता, तो सवाल उठता है—वे इस बदलती दुनिया के ज्ञान से कैसे कदम मिला पाएंगे? सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक निर्णय में स्पष्ट किया है कि भारत में शिक्षा क्रांति का अर्थ केवल व्यावसायिक विस्तार नहीं है। शिक्षा संस्थानों का निर्माण करते समय पर्यावरणीय प्रभावों का संज्ञान लेना आवश्यक है। 29 जनवरी, 2025 को केंद्र सरकार की एक अधिसूचना कोर्ट के विचाराधीन हुई, जिसमें औद्योगिक शेड, स्कूल, कॉलेज और छात्रावास जैसी परियोजनाओं को पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2006 के तहत पूर्व पर्यावरण मंजूरी से छूट प्रदान की गई थी।

अधिसूचना में यह स्वीकार किया गया कि 20,000 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र में निर्माण कार्य पर्यावरण को प्रभावित करेगा, लेकिन यह भी कहा गया कि इन संस्थानों का राष्ट्रीय विकास में इतना महत्व है कि इन्हें पूर्व मंजूरी से मुक्त किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन अत्यंत आवश्यक है। जब यह संतुलन बिगड़ता है, तो घुटन, हरित क्षेत्र की कमी, खेल के मैदानों का लोप और शिक्षा के नाम पर व्यापार का विस्तार देखने को मिलता है।

नीति यह होनी चाहिए कि सरकारी स्कूलों को इतना सक्षम बनाया जाए कि माता-पिता को अपने बच्चों को निजी स्कूलों में भेजने की कोई जल्दबाज़ी न रहे। लेकिन इस लक्ष्य के बावजूद, सरकारी स्कूल अब भी उस स्तर को नहीं छू पा रहे हैं, जिसकी कल्पना करके हमने निजी स्कूलों के वर्चस्व को चुनौती देने की कोशिश की थी।सवाल यह है कि इतने प्रयासों के बावजूद, शिक्षा क्षेत्र में बड़े निवेशक क्यों प्रवेश कर रहे हैं? क्या शिक्षा अब सेवा नहीं, एक लाभकारी व्यवसाय बन गई है? अब तो स्कूलों के बीच नए स्कूल खोलने की परंपरा-सी बन गई है। पहले जहां खेल मैदान हुआ करते थे, वहां अब नर्सरी और प्री-नर्सरी की कक्षाएं बन रही हैं।

जनांदोलन से ही परमाणु हथियार मुक्त विश्व संभव

भीषण मानवीय हानि

रमेश ठाकुर

परमाणु हथियार अब साइबर व उपग्रह प्रणालियों पर निर्भर हैं। एक परमाणु-साइबर-स्पेस में यदि किसी भी बिंदु पर बनी रुकावट परमाणु हथियारों के आकस्मिक उपयोग या फिर मिथ्या चेतावनी समय से पहले जवाबी कार्रवाई का कारण बन सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग व निर्णय-प्रक्रिया में कम हो रहा मानवीय दखल, परमाणु खतरे को कहीं अधिक बढ़ा देगा।बीते दिनों जापान के दो शहर, हिरोशिमा और नागासाकी पर, क्रमशः 6 और 9 अगस्त, 1945 को हुए परमाणु बम हमले की 80वीं बरसी मनाई गई।

इन बम विस्फोटों से जितनी भीषण मानवीय हानि हुई, वह हमलावरों द्वारा बमों को दिए गए मासूम नाम – लिटिल बॉय और फैट मैन – की क्रूर विडंबना से ही कम हो गयी थी। जिस विमान से बम गिराया गया था, उसके पायलट के लिए मानो 'यमराज के वाहन' को चलाना उसके जीवन का एक गौरवशाली क्षण था, तभी तो उसका नामकरण अपनी मां एनोला गे के नाम पर कर रखा था। जो दुष्टता की चरम सीमा थी।जैसे-जैसे साल बीतते गए, उन भयावह घटनाओं की यादें- वे पिघलते मानव शरीर और वाष्पीकृत हुए बदन, धमाके के चलते घड़ी की थम गई सुइयां, और मशरूम रूपी बादल का भयानक आतंक जो सर्वनाश का प्रतीक बन गया -वक्त के साथ धुंधली होती गईं। ऐसा होना नहीं चाहिए था। इतने विशाल स्तर और तीव्रता वाले सर्वनाश का खतरा एक व्यापक आत्मसंतुष्टि के तले दबता जा रहा है। युवा पीढ़ियां इस दुखद इतिहास से बहुत कम परिचित हैं, हालांकि यह सुनिश्चित करने के लिए उन्हें ही काम करना होगा कि यह प्रलयंकारी घटना फिर कभी न घटने पाए।यह सत्य है कि हिरोशिमा और नागासाकी के बाद से ही परमाणु हथियारों के इस्तेमाल करने को संयम बना रहा। परंतु इन परमाणु धमाकों के बाद की गई अनेकानेक आशावादी भविष्यवाणियों के विपरीत, परमाणु हथियार संपन्न देशों की संख्या मूल पांच (अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस और चीन) से बढ़कर आज 9 हो गई है (इस्राइल, भारत, पाकिस्तान और उत्तर कोरिया के जुड़ने से)। यह भी तथ्य है कि परमाणु हथियारों का वैश्विक भंडार मुख्यतः अमेरिका और रूस के शस्त्रागारों में है, जिनकी गिनती शीत युद्ध के दौरान रही अधिकतम 40,000 से घटकर आज लगभग 14,000 रह गई है, आज भी अमेरिका और रूस के भंडार सबसे बड़े हैं। यह आशा की किरण कही जा सकती है, लेकिन जब तक परमाणु हथियार मौजूद रहेंगे, परमाणु सर्वनाश का खतरा मंडराता रहेगा।चिंता की बात यह है कि परमाणु हथियार-मुक्त विश्व के आह्वान में नागरिक समाज की लामबंदी और सक्रियता का अभाव है। साल 1980 के दशक में, जब लेखक जिनेवा स्थित निरस्त्रीकरण समिति में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा था?

घायल और बीमार पशुओं के लिए संजीवनी बना वेटनरी हॉस्पिटल व ट्रॉमा सेंटर

» मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आरके निरंजन के प्रयासों से नगर निगम की बढ़ी उपलब्धियां

नगर निगम द्वारा किशनपुर में संचालित किया जा रहा पशु चिकित्सालय

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। पशु कल्याण की दिशा में कानपुर नगर निगम ने एक सराहनीय पहल की है। नगर आयुक्त सुधीर कुमार के निर्देश पर शहर में घायल और बीमार गौवंशों के लिए किशनपुर स्थित वेटनरी हॉस्पिटल एवं ट्रॉमा सेंटर किसी वरदान से कम साबित नहीं हो रहा है।नगर निगम द्वारा 24म7 एम्बुलेंस सेवा तैनात की गई है, जिसके जरिए शहर के विभिन्न इलाकों से असहाय, बीमार व चोटिल पशुओं को इलाज के लिए यहां लाया जाता है। शिकायतें व सूचना आमजन, पशुप्रेमी, जनप्रतिनिधि और पुलिस विभाग द्वारा निगम के कंट्रोल रूम (05122526004, 8601801104) और आईजीआरएस माध्यम से दर्ज कराई जाती हैं।

नगर निगम के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आरके निरंजन

सीवीओ डॉक्टर आरके निरंजन ने बताया कि ट्रॉमा सेंटर में पशुओं की देखभाल के लिए डॉ. हरीकांत पटेल (पशुपालन विभाग) और डॉ. प्रदीप दीक्षित (एम.वी.एस.सी सर्जरी) तैनात हैं। इनके साथ दो पैरावेट व मेडिकल स्टोर भी उपलब्ध है, जिससे दवाइयों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाती है। पुलिस द्वारा पकड़े गए अवैध रूप से तस्करी किए गए पशुओं को भी यहां लाकर सुरक्षित इलाज दिया जाता है।केवल गौवंश ही नहीं, बल्कि शहर में कुत्तों की शिकायतों के निस्तारण और बधियाकरण हेतु एबीसी सेंटर किशनपुर भी पूरी क्षमता से संचालित है। यहां रोजाना लगभग 60 कुत्तों का बधियाकरण किया जा रहा है। इस काम के लिए 5 डॉग कैचिंग वाहन व 15 कर्मचारियों की टीम लगाई गई है। पागल व आक्रामक कुत्तों को भी सुरक्षित रखकर उनकी निगरानी व व्यवहार का आकलन किया जाता है।नगर निगम का मानना है कि मानवीय तरीके से बधियाकरण ही श्वानों की जनसंख्या नियंत्रित करने और मानव-श्वान संघर्ष को कम करने का सबसे प्रभावी उपाय है।पशुओं के इलाज, देखभाल और सुरक्षा की यह व्यवस्था कानपुर को न सिर्फ पशु-मैत्री शहर बना रही है बल्कि संवेदनशील समाज का भी संदेश दे रही है।

घायल गोवंश का इलाज करते पशु चिकित्सक

अथक प्रयास

महिला का खुलासा

अखिलेश दुबे अश्लील किताब छपवाकर करता था ब्लैकमेलिंग

प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर।अधिवक्ता अखिलेश दुबे पर एक और महिला ने गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता का कहना है कि अखिलेश और उसके गैंग ने उनसे हर महीने दो लाख रुपये की वसूली की और उनकी अश्लील तस्वीरें छपवाकर उन्हें बदनाम किया। महिला ने आरोप लगाया कि दुबे ने उनके और परिवार के खिलाफ झूठे मुकदमे भी दर्ज कराए। मामला सामने आने के बाद एसआईटी ने जांच शुरू कर दी है।

» महिला ने लगाया दो लाख मासिक वसूली और प्रताड़ना का आरोप

» अश्लील किताब छपवाकर बदनाम करने वाला गैंग एसआईटी की जांच के घेरे में

पीड़िता के मुताबिक, करीब 15 साल पहले वह बारादेवी स्थित एक होटल की पार्टनर थीं। जनवरी 2010 में अधिवक्ता अखिलेश दुबे अपने भाई और चार अन्य लोगों के साथ होटल आया और दो लाख रुपये प्रतिमाह देने का दबाव बनाया। जब उन्होंने पैसे देने से इनकार किया तो उन लोगों ने लात-घूसों से पीटा, गहने और जेवर लूट लिए और कर्मचारियों को असलहे के बल पर डरा-धमकाकर भगा दिया।

यहां तक कि दूर के रिश्तेदार से 1.20 लाख भी जबरन वसूले गए। महिला का आरोप है कि कई महीनों तक वसूली का यह सिलसिला चलता रहा। पीड़िता ने आगे बताया कि कुछ महीनों बाद जब वह गुमटी स्थित पटियाला बैंक गईं, तो बैंक मैनेजर ने उन्हें एक किताब दिखाई जिसमें उनकी ही अश्लील तस्वीरें छपी थीं। यह देख परिवार हैरान रह गया।

जब शिकायत लेकर अखिलेश दुबे के दफ्तर गए तो उसने बंदूक तानकर धमकी दी। डर और दबाव में महिला दो साल तक प्रताड़ना झेलती रहीं। इसके बाद दुबे ने उनके खिलाफ फर्जी मुकदमे दर्ज कराए, हालांकि कोर्ट ने उन्हें दोषमुक्त कर दिया।

पीड़िता का आरोप है कि थाने और चौकियों में सुनवाई नहीं हुई और मामला दबा दिया गया।

अब ऑपरेशन महाकाल की कार्रवाई के बीच पीड़िता ने पुलिस आयुक्त को तहरीर दी है। पुलिस आयुक्त के स्टाफ ऑफिसर राजेश पांडेय ने बताया कि शिकायत दर्ज हुई है और जांच चल रही है।

सरसौल में गूंजा देशभक्ति का स्वर

युवराज सिंह के नेतृत्व में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, ग्राम प्रधान सुभौली रहीं मुख्य अतिथि

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। स्वतंत्रता दिवस का जोश और जश्न युवाओं में दिख रहा है। महापर्व पर कानपुर की सड़कों पर देशभक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। समाजसेवी युवराज सिंह के नेतृत्व में निकली भव्य तिरंगा यात्रा में हजारों युवाओं का उत्साह देखने लायक रहा। जगह-जगह भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से आसमान गूंज उठा।

मोटरसाइकिलों पर सवार युवाओं ने हाथों में तिरंगा थामे जब काफिला बढ़ाया तो लोग सड़कों पर निकलकर उनका स्वागत करने लगे। तिरंगे को सलामी दी गई और स्वतंत्रता सेनानियों को नमन कर उनके बलिदान को याद किया गया।

इस ऐतिहासिक यात्रा में समाजसेवी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए। प्रमुख रूप से प्रमोद सिंह, अजय सिंह, कपिल शुक्ला, प्रांजुल शुक्ला, मनोज शुक्ला, अमित शुक्ला, राजकुमार सिंह, दीपांशु शुक्ला, चंदन सिंह, गोलू सिंह, संजय सिंह, विशेष सिंह, अंकित सिंह, रवि सिंह, विशाल सिंह, अमरजीत सिंह, पंकज प्रभात, अमन कुशवाहा, अंकित कुशवाहा, विराट सिंह, करण स्वर्णकार, पीयूष सिंह, अनुज सैंगर, शनि सिंह, रमेश अवस्थी, रवि सिंह गौर और वेद प्रकाश सिंह मौजूद रहे।

इसके अलावा मुख्य अतिथि के तौर पर प्रधान सुभौली किरण पांडेय के साथ सरसौल ब्लॉक के कई कार्यकर्ता भी यात्रा में शामिल हुए। यात्रा का हर पड़ाव देशभक्ति के रंग में सराबोर रहा।कानपुर की गलियों से गुजरी इस तिरंगा यात्रा ने साबित कर दिया कि आज भी युवाओं की रगों में देशभक्ति लहू बनकर दौड़ रही है। यह यात्रा स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देशभक्ति और एकता का अद्भुत संदेश बनकर सामने आई।

नहोली गर्भाधान केंद्र पर ताले, ग्रामीण बेहाल

» सरकारी भवन में झाड़ियां उगीं, डॉक्टर गायब

» प्राइवेट डॉक्टरों की मोटी कमाई, किसानों की जेब पर बोझ

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात माती। ग्राम पंचायत नहोली में लाखों रुपये की लागत से बना गर्भाधान केंद्र ग्रामीणों के लिए मज़ाक बन चुका है। गेट पर सालों से जंग खाए ताले लटके हैं और अंदर झाड़ियां उग आई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि केंद्र बनने के बाद शायद ही एक-दो बार खुला हो। सरकारी डॉक्टर तो दिखते नहीं, उल्टा प्राइवेट डॉक्टर ही हजारों रुपये वसूलकर इलाज कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने नाराज़गी जताई कि शासन की मंशा थी कि किसानों को अपने घरों के पास पशुओं का इलाज मिले, लेकिन वास्तविकता उलटी है। केंद्र के ताले और झाड़ियां चीख-चीख कर गवाही दे रहे हैं कि यहां डॉक्टर का आना-जाना नहीं है। नतीजा यह है कि गरीब किसान महंगे इलाज के लिए प्राइवेट डॉक्टरों के पास जाने को मजबूर हैं, और कई बार पैसे की कमी से जानवर दम तोड़ देते हैं।

डॉक्टर की तैनाती पर सवाल, अधिकारी पल्ला झाड़ते नजर आए

गांव वालों का आरोप है कि नियुक्त डॉक्टर नहोली केंद्र पर बैठने की बजाय गांव-गांव जाकर निजी प्रैक्टिस में मोटी रकम कमा रहे हैं। जबकि सरकारी आदेश के मुताबिक उन्हें केंद्र पर मुफ्त इलाज देना चाहिए।जिला मुख्यालय से महज 6 किमी दूर होने के बावजूद प्रशासन की लापरवाही साफ झलकती है। जब प्रभारी पशु चिकित्सा अधिकारी अंकुर गुप्ता से पूछा गया तो उन्होंने कहा डॉक्टरों की कमी है, इसलिए केंद्र बंद रहता है। लेकिन जब ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यह केंद्र एक साल से खुला ही नहीं, तो अधिकारी ने साफ कहा मुझे जानकारी नहीं है।

आसपास के ज्यादातर गांवों के लोग मजबूरी में प्राइवेट डॉक्टर से ही इलाज करवाते हैं। सरकारी डॉक्टर तो गर्भाधान केंद्र खोलते ही नहीं, हमें तो पता ही नहीं कि वहां डॉक्टर कैसे होते हैं। अंदर बड़ी-बड़ी झाड़ियां उग आई हैं, न साफ-सफाई है न दवाई। तो आखिर यह गर्भाधान केंद्र बनवाया किसके लिए गया था?

गोविंद सिंह- ग्रामीण

हमारे जानवर बीमार पड़ जाते हैं, लेकिन इलाज कराने के लिए पैसे नहीं रहते। मजबूरी में कई बार जानवर दम तोड़ देते हैं। अगर गर्भाधान केंद्र समय से खुलता तो हम मुफ्त इलाज करवा सकते थे। लगभग एक साल से यह केंद्र बंद पड़ा है, ताले में जंग तक लग चुका है।

विनोद कुमार- ग्रामीण

कानपुर देहात में बीजेपी संग्राम

सांसद बनाम विधायक की जंग तेज

» निर्वतमान जिला अध्यक्ष का बड़ा हमला चारों विधायक चलती रेलगाड़ी में सवार, बस लूटने में लगे हैं

» सांसद भोले बनाम मंत्री प्रतिभा शुक्ला, खेमेबाज़ी ने चुनावी तैयारी पर डाला साया

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। भारतीय जनता पार्टी इस समय जबरदस्त खींचतान का शिकार है। सांसद देवेंद्र सिंह भोले और राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला के बीच चल रही जंग अब नए मोड़ पर है। यह केवल सांसद बनाम विधायक की लड़ाई नहीं रही, बल्कि ब्राह्मण बनाम ब्राह्मण की सियासी चाल में तब्दील हो गई है। अकबरपुर के एक निजी होटल में हुई प्रेस वार्ता में निर्वतमान जिला अध्यक्ष मनोज शुक्ला और पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश तिवारी ने जमकर हमला बोला। मनोज शुक्ला ने आरोप लगाया आज बीजेपी के चारों विधायक भ्रष्टाचार में लिप्त हैं।

इनमें कोई पुराना भाजपाई नहीं, बल्कि अलग-अलग दलों से आए लोग हैं, जो चलती रेलगाड़ी में सवार होकर बस लूटने में लगे हैं। उनके साथ जिले के कई पुराने ब्राह्मण कार्यकर्ता भी मौजूद रहे जिन्होंने कहा कि मंत्री प्रतिभा शुक्ला और उनके पति अनिल शुक्ला वारसी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का लगातार अपमान कर रहे हैं और जातीय नारेबाज़ी से पार्टी का माहौल बिगाड़ रहे हैं।

विधायक तो भाजपा से बने, हरकतें अब भी पुराने दल वाली

प्रेस वार्ता में पूर्व जिलाध्यक्षों ने आरोप लगाया कि बीजेपी की रीति-नीति को ताक पर रखकर मौजूदा विधायक अवैध खनन, ठेकों में वसूली और रिश्तेदारों को फायदा पहुंचाने में जुटे हुए हैं। उनका कहना था कि विधायक भाजपा के नाम से सत्ता में हैं, लेकिन तौर-तरीके अब भी वही हैं जो उनके पुराने दलों में हुआ करते थे। सूत्रों के अनुसार, इस पूरे अभियान के पीछे सांसद देवेंद्र सिंह भोले की रणनीति मानी जा रही है। सांसद ने खुद सामने आने के बजाय वरिष्ठ ब्राह्मण कार्यकर्ताओं को मैदान में उतारा, जिससे लड़ाई ब्राह्मण बनाम ब्राह्मण की बन गई। इस प्रकरण का वीडियो भी वायरल हुआ जिसमें अनिल शुक्ला वारसी उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक से फोन पर तीखी नोकझोंक करते दिखे। अब सवाल यही है कि क्या आलाकमान इस अंदरूनी संग्राम पर विराम लगाएगा या फिर यह खेमेबाज़ी 2027 के चुनाव में बीजेपी की राह में कांटे बोएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

कानपुर देहात : खाद के लिए लाइन में धक्के खाते किसान, बर्बादी की ओर बढ़ी फसलें

» सुबह से कतारों में खड़े किसान, लेकिन हाथ लगी सिर्फ निराशा

» पुलिस तैनात, दुकान बंद किसान बोले वितरण में हो रहा पक्षपात

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले में खाद की किल्लत ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। औढेरीगांव रोड स्थित सहकारी समिति की दुकान पर सुबह सात बजे से ही किसानों की लंबी कतारें लग गईं।

घंटों इंतजार के बाद भी किसानों को खाद का एक दाना नहीं मिला। निराश होकर लौटे किसानों का कहना है कि अगर जल्द ही खाद उपलब्ध नहीं कराई गई तो उनकी खरीफ फसलें धान और मक्का बर्बाद हो जाएंगी। फसल खराब होने से जहां उनकी सालभर की मेहनत पर पानी फिर जाएगा, वहीं पैदावार घटने से आने वाले समय में और भी बड़ा संकट खड़ा होगा। किसानों ने बताया कि निजी दुकानों से खाद खरीदने पर 270 रुपये की बोरी 500 रुपये में मिल रही है, जबकि सरकारी दुकानों पर खाद का टोटा है। सहकारी समिति पर भारी भीड़ देखकर मौके पर पुलिस तैनात करनी पड़ी। स्थिति तब बिगड़ी जब अफसर भीड़ को संभाल नहीं पाए और दुकान बंद कर चले गए। किसानों का आरोप है कि अधिकारियों ने उनके कागज तक कूड़ेदान में फेंक दिए और खाद वितरण में खुलेआम पक्षपात किया जा रहा है। स्थानीय किसानों का कहना है कि प्रशासन समय रहते खाद की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर रहा। इसका सबसे ज्यादा नुकसान गरीब और छोटे किसानों को हो रहा है, जबकि चुनिंदा लोगों को ही खाद उपलब्ध कराई जा रही है। किसानों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि तत्काल पर्याप्त मात्रा में खाद की आपूर्ति की जाए, वरना खेत बंजर होने की कगार पर पहुंच जाएंगे।

एक उम्मीद के सेवा कार्यों की सराहना

सरवन खेड़ा ब्लॉक में हुआ मिलन समारोह

» शिशुपाल सिंह की अध्यक्षता में मंगोलपुर में जुटे कार्यकर्ता और ग्रामीण

» शिक्षा, स्वास्थ्य और सहयोग के क्षेत्र में एनजीओ की उपलब्धियों को सराहा गया

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। सरवन खेड़ा ब्लॉक के मंगोलपुर गांव स्थित मिनी ग्रामीण स्टेडियम हाल में एक उम्मीद जन कल्याण सेवा समिति का कार्यकर्ता मिलन समारोह आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष शिशुपाल सिंह ने की।

समारोह में राष्ट्रीय सचिव दीक्षा यादव (मुख्य अतिथि), कानपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष एवं रानियां विधानसभा प्रभारी पवन चौहान (विशिष्ट अतिथि), और कानपुर नगर जिला प्रभारी उमेश भार्गव मंचासीन रहे। मंच पर पदाधिकारियों ने संगठन के शिक्षा, स्वास्थ्य और ज़रूरतमंदों की मदद जैसे क्षेत्रों में किए गए सेवा कार्यों को विस्तार से बताया।

राष्ट्रीय सचिव दीक्षा यादव ने संगठन को और मज़बूत बनाने का आह्वान किया।

पवन चौहान ने ग्रामीण स्तर पर NGO के योगदान पर प्रकाश डाला, वहीं उमेश भार्गव ने संगठन की कार्यप्रणाली को समझाया। जिला मीडिया प्रभारी आर्यन शर्मा ने कहा कि समिति समाज में शिक्षा और सेवा का नया अध्याय लिख रही है।

इस मौके पर बड़ी संख्या में महिलाओं, पुरुषों, बुजुर्गों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष शिशुपाल सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से विवेक पांडे, कुलदीप सिंह, बलवान सिंह चौहान, प्रदीप सिंह, राहुल सिंह, ओम सिंह, अखिलेश सिंह, नीरज सिंह, बलवीर सिंह, शिवम सिंह, अभिषेक पाल, संदीप सिंह, देवेंद्र सिंह, किसानपाल सिंह, लालन सिंह, प्रहलाद सिंह, कप्तान सिंह, दिनेश सिंह, कोमल सिंह, मयंक सिंह, ध्रुव सिंह, मुन्ना सिंह, संजय सिंह, सचिन सिंह, नरेंद्र सिंह, सुरेश सिंह, बीरू सिंह, अमन सिंह, बलजीत सिंह, लालता सिंह, बुंदा सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

गाजियाबाद में गोल्डी मसालों ने किया वितरक-विक्रेता सम्मान समारोह

समारोह में नए उत्पाद भी लॉन्च

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गाजियाबाद। भारत के प्रसिद्ध मसाला ब्राण्ड गोल्डी मसाले (मे. शुभम् गोल्डी मसाले प्रा0 लि0, कानपुर) ने अपने वितरकों और विक्रेताओं का भव्य सम्मान समारोह नोएडा के होटल पार्क एसेंट (सेक्टर-62) में आयोजित किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ कम्पनी के प्रबन्धक निदेशक सुदीप गोयनका ने गणेश पूजन और दीप प्रज्जवलन से किया। इस अवसर पर लोकेश अरोड़ा (मार्केटिंग हेड), रामजी अग्रवाल (जोनल सेल्स मैनेजर), सुपर वितरक चिरायु गर्ग व विकास गर्ग सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कम्पनी की उपलब्धियाँ व भविष्य की योजनाएँ

संबोधन में सुदीप गोयनका ने कहा कि गोल्डी मसाले आज गुणवत्तापूर्ण उत्पाद और उचित मूल्य की वजह से देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी अपनी पहचान बना चुके हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि निकट भविष्य में गोल्डी समूह विश्व का नंबर-वन मसाला ब्राण्ड बनेगा।मार्केटिंग हेड लोकेश अरोड़ा ने बताया कि गोल्डी ने समान मार्केटिंग सिस्टम और मजबूत नेटवर्क के कारण यह मुकाम हासिल किया है। वहीं रामजी अग्रवाल ने जानकारी दी कि गोल्डी उद्योग समूह को केन्द्र और राज्य सरकारों से कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिल चुके हैं, जिनमें 'सेल्फ इंटरप्रेन्योरशिप अवार्ड', 'लैब टेस्ट अवार्ड', 'उद्योगरत्न अवार्ड' और 'नेशनल एक्सीलेन्सी अवार्ड' प्रमुख हैं।

नए प्रोडक्ट्स की लॉन्चिंग

समारोह के दौरान कम्पनी ने उपभोक्ताओं के लिए नई पैकेजिंग FRESH LOCK पेश की, जिसमें RE-SEALABLE POUCH की सुविधा है। साथ ही सॉस की पूरी रेंज STANDY POUCH में बाजार में उतारी गई है।

सबसे खास रहा कम्पनी का नया घरेलू उत्पाद गोल्डी डबल इंजन डिटर्जेंट पाउडर व केक, जिसे टैगलाइन रिश्तों में लाये डबल चमक के साथ लॉन्च किया गया। यह पेन्टाजाईमयुक्त वाशिंग पाउडर मशीन और बकेट दोनों वॉश के लिए उपयुक्त है। आज गोल्डी मसाले की शाखाएँ उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, बंगाल, असम, ओडिशा, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, गोवा सहित कई राज्यों में हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके उत्पाद ऑस्ट्रेलिया, जापान, अमेरिका और अरब देशों में भी उपलब्ध हैं। कम्पनी को ISO 22000:2018 प्रमाणपत्र प्राप्त है, सुपर वितरक चिरायु गर्ग और विकास गर्ग ने कहा कि कम्पनी हमेशा वितरकों के हितों को प्राथमिकता देती है और आगे भी नयी योजनाओं के साथ उनके साथ खड़ी रहेगी।कार्यक्रम में गाजियाबाद के वितरकों, सह-वितरकों, स्थानीय दुकानदारों और कैटरर्स ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया।

कार्यक्रम के अंत में कम्पनी के अधिकारी मोहित भटनागर व नीरज मिश्रा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

होटल विवाद में युवक की मौत

आक्रोशित ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, पुलिस की संवेदनहीनता उजागर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। टिकैतनगर क्षेत्र में शराब के नशे में खाने के सामान को लेकर हुए विवाद ने युवक की जान ले ली। जानकारी के अनुसार नन्हीयापुर गांव निवासी संदीप का टिकैतनगर स्थित होटल पर मालिक नारायण व एक अन्य युवक बाबूलाल से विवाद हो गया था।

आरोप हैं कि विवाद के बाद दोनों ने संदीप को घर लौटते समय रास्ते में घेरकर बेरहमी से पीटा। गंभीर रूप से घायल संदीप को इलाज के लिए ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।ग्रामीणों का आरोप है कि पीड़ित की तहरीर पर भी दरियाबाद पुलिस ने सीमा विवाद का हवाला देकर कार्रवाई टाल दी और संदीप को गुमराह करते हुए टिकैतनगर थाने भेज दिया। समय पर इलाज न मिलने से उसकी जान चली गई।

घटना के बाद आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर जोरदार प्रदर्शन किया और होटल में तोड़फोड़ भी की। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। टिकैतनगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों नारायण व बाबूलाल को गिरफ्तार कर लिया है।

पति से फोन पर विवाद के बाद विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

निंदूरा/बाराबंकी। घुंघटेर थाना क्षेत्र के रामनगर गांव में सोमवार देर शाम उस समय हड़कंप मच गया जब 28 वर्षीय महिला सोनम पत्नी रोहित का शव कमरे में फंदे से लटकता मिला।जानकारी के अनुसार सोनम की शादी करीब पाँच वर्ष पहले हुई थी। घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था। उसके बच्चे अपनी दादी के साथ घर के बाहर खेल रहे थे। बताया जा रहा है कि सोनम का पति लखनऊ में मजदूरी करता है और सोमवार को फोन पर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था।देर शाम जब बच्चे कमरे में पहुंचे तो मां को फांसी पर लटकता देख शोर मचाने लगे। शोर सुनकर परिवार और आसपास के लोग दौड़े और महिला को नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मेडिकल कॉलेज की लापरवाही के चलते मासूम की सांसें थमीं

- सरकारी अस्पताल की बेरुखी – इलाज की जगह बेड न होने का बहाना
- प्रसूता को भर्ती से इनकार, नवजात ने निजी अस्पताल में तोड़ा दम
- बुखार से तड़पते मासूम को रेफर कर पल्ला झाड़ता सिस्टम
- डीएम ने जताई नाराज़गी, प्राचार्य से जवाब तलब – तीन डॉक्टर निलंबित
- 24 घंटे में जांच रिपोर्ट, लेकिन क्या होगा असली गुनहगारों का हिसाब?
- स्वास्थ्य तंत्र में सड़ांध मरीजों की जिंदगी बनी सरकारी लापरवाही की बलि

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। मेडिकल कॉलेज, दर्शन नगर एक बार फिर कठघरे में है। वह संस्थान, जहां जिंदगी बचाने का वादा किया जाता है, वहां लापरवाही ने एक मासूम की धड़कनें हमेशा के लिए रोक दीं ।

और एक गर्भवती महिला को सरकारी अस्पताल से ठुकराकर निजी अस्पताल में धकेल दिया। सवाल यह है कि क्या अयोध्या

में सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं मौत का सौदा करने लगी हैं?

हैरिंग्टनगंज के मोहम्मद मुनीर अपने बेटे मोहम्मद आरिफ को तेज बुखार की हालत में सीएचसी हैरिंग्टनगंज ले गए। वहां से बच्चे को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। इलाज के इंतजार और लापरवाही की परतें अभी खुलनी बाकी हैं, लेकिन परिजनों का आरोप है कि मेडिकल कॉलेज का रवैया असंवेदनशील रहा।

बनवारी का पुरवा निवासी राधा प्रसव पीड़ा से तड़पती हुई देर रात मेडिकल कॉलेज पहुंची। परिजनों को उम्मीद थी कि सरकारी अस्पताल उनका सहारा बनेगा। लेकिन यहां डॉक्टरों ने 卐बेड न होने卐 का बहाना बनाकर भर्ती करने से मना कर दिया। शर्त रखी गई कि पहले खून की व्यवस्था करो, तभी भर्ती मिलेगी। मजबूरी में परिजन उसे निजी अस्पताल ले गए, जहां नवजात की मौत हो गई। यह मौत नहीं, बल्कि सरकारी लापरवाही का खूनी दस्तावेज है।

प्रशासन की घेराबंदी

मामला सामने आते ही जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने प्राचार्य से जवाब तलब किया और नाराजगी जताई। दबाव बढ़ने पर मेडिकल कॉलेज प्रशासन हरकत में आया और तीन डॉक्टरों को निलंबित कर दिया।

-डॉ. विनय पांडेय (सीनियर रेजिडेंट)
-डॉ. विनय वर्मा (जूनियर रेजिडेंट)
-डॉ. उदय (प्रशिक्षु डॉक्टर)
साथ ही, प्राचार्य डॉ. सत्यजीत वर्मा ने तीन सदस्यीय जांच समिति गठित कर 24 घंटे में रिपोर्ट मांगी है।

लेकिन असली सवाल अब भी खड़े हैं

- क्या जांच समितियां सिर्फ लालफीताशाही का मलहम हैं या वाकई जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई होगी?
- सरकारी अस्पतालों में हर बार बेड नहीं है का बहाना कब तक मौत का कारण बनता रहेगा?
- क्या अयोध्या का मेडिकल कॉलेज मरीजों के लिए अस्पताल है या लापरवाह डॉक्टरों की शरणस्थली?

यह महज़ चूक नहीं, बल्कि स्वास्थ्य तंत्र में सड़ांध का सबूत है। अगर इलाज से पहले मरीज को अपनी जान और बच्चे की जिंदगी की कीमत खून और बेड की शर्तों में चुकानी पड़े, तो यह सिस्टम मौत का सौदागर नहीं तो क्या है?

सरयू में टूरिज्म बोट बनी तैरता ताबूत

- 6 लोग सरयू की मझधार में जिंदगी और मौत से जूझते रहे

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी में सरयू की धारा ने रविवार की रात एक खौफनाक मंजर दिखाया।

उत्तर प्रदेश टूरिज्म की मोटरबोट, जिसे पर्यटकों की सुरक्षा का जिम्मा निभाना चाहिए था, खुद बीच नदी में मौत का फंदा बनकर बह निकली। 6 लोग सरयू की मझधार में जिंदगी और मौत से जूझते रहे।

बीच धारा में मोटरबोट का इंजन

फेल हुआ और बोट 7 किलोमीटर तक बहती चली गई। रात का सन्नाटा, तेज धारा और गहराई—हर पल इन 6 लोगों को मौत के मुंह में धकेल रही थी। चालक रामबाबू ठाकुर ने इंजन ठीक करने की जद्दोजहद की, लेकिन नाकाम रहा। आखिरकार हिम्मत जुटाकर मदद की पुकार लगाई।

सूचना मिलते ही एसडीआरएफ और जल पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया।

इस साहसिक ऑपरेशन में क्षेत्राधिकारी आशुतोष तिवारी, चौकी प्रभारी अनुराग पाठक, जल पुलिस प्रभारी रुबे प्रताप मौर्य और एसडीआरएफ प्रभारी अनुराग सिंह की टीम ने मौत के मुंह से 6 लोगों को खींच लाने का कारनामा कर दिखाया।

लेकिन बड़ा सवाल यही है

सरयू जैसी पवित्र और संवेदनशील नदी में टूरिज्म की नावें इतनी लापरवाह कैसे चल रही हैं?

क्या पर्यटकों की जान सरकार की लापरवाहियों के सहारे छोड़ दी गई है?

अगर समय पर पुलिस और एसडीआरएफ सक्रिय न होती, तो क्या सरयू की धारा छह लाशें उगलती?

सरयू की मझधार ने सरकारी तंत्र की पोल खोली

पर्यटकों की सुरक्षा के दावे, टूरिज्म विभाग के इंतज़ाम और जिम्मेदार अफसरों की कार्यशैली पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। यह सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि चेतावनी है– अयोध्या में टूरिज्म की नावें कहीं तैरता ताबूत साबित न हो जाएं।

पानी की टंकी पर चढ़ा युवक

'न्याय दिलाओ, नहीं तो कूद जाऊंगा'

गोडा। गोंडा में 35 वर्षीय युवक ने पानी की टंकी पर चढ़कर हाई वोल्टेज ड्रामा किया। बता दें दबंगों ने उसके घर के रास्ते पर कब्जा किया था जिसकी कई बार एसडीएम और उच्च अधिकारियों से शिकायत भी की थी। शनिवार दोपहर एक युवक जमीन विवाद से परेशान होकर कमिश्नर कार्यालय के पास स्थित पानी टंकी पर चढ़ गया। अफसरों और कर्मियों की भीड़ जुट गई। युवक नीचे खड़े अफसरों से बार-बार हाथ जोड़कर कहता रहा 'न्याय दिलाओ, नहीं तो यहीं से कूद जाऊंगा'। करीब 1 घंटे 10 मिनट तक ड्रामे के बाद अतिरिक्त मजिस्ट्रेट और नगर कोतवाली ने कार्रवाई का आश्वासन देकर किसी तरह युवक को नीचे उतारा। युवक का आरोप है कि गांव में पड़ोसी रिश्तेदार ने जमीन पर कब्जा कर लिया है। घर के सामने की जमीन पर अवैध रूप से पिलर बनाकर आने-जाने का रास्ता बंद कर दिया है।

मेरठ में सैन्यकर्मी से मारपीट का मामलाः सेना ने जारी किया बयान

एनएचआई ने रद्द किया टोल प्लाजा का लाइसेंस

अब तक 6 गिरफ्तार, 20 लाख जुर्माना

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

मेरठ। उत्तर प्रदेश स्थित मेरठ में छुट्टी खत्म कर ड्यूटी पर वापस जा रहे सैन्यकर्मी के साथ मारपीट के मामले में एनएचएआई ने सख्त एक्शन लिया है। साथ ही भारतीय सेना ने भी बयान जारी किया है। उत्तर प्रदेश स्थित मेरठ में भारतीय सेना के कर्मी कपिल सिंह के साथ टोल प्लाजा पर मारपीट के मामले में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने बड़ा फैसला लिया है। एनएचएआई ने लाइसेंस धारी पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। साथ ही यह प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है कि भविष्य में यह लाइसेंसधारी कहीं और टोल प्लाजा के काम में न लग सकें और न ही बोली लगा सकें।

एक बयान में एनएचएआई ने कहा- एनएचएआई ने 17 अगस्त 2025 को एनएच-709ए के मेरठ-करनाल खंड पर भूनी टोल प्लाजा पर तैनात टोल कर्मचारियों द्वारा सेना के जवानों के साथ दुर्व्यवहार की घटना पर सख्त कार्रवाई की है। एनएचएआई ने टोल संग्रह एजेंसी मेसर्स धरम सिंह पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है और टोल संग्रह फर्म को भविष्य में टोल प्लाजा की बिडिंग्स में भागीदारी से प्रतिबंधित करने और मौजूदा लाइसेंस समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उधर इस मामले में पुलिस का कहना है कि मामला दजज़ कर लिया गया है और वीडियो के आधार पर 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

भारतीय सेना ने क्या कहा?

भारतीय सेना ने इस मामले पर प्रतिक्रिया दी। सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट में सेना के मध्य कमान ने लिखा-, 'भारतीय सेना सैनिक के खिलाफ इस तरह की घटना की कड़ी निंदा करती है। दोषियों को सजा दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस के शीर्ष अधिकारियों से संपर्क किया गया है। हत्या के प्रयास, गैरकानूनी रूप से एकत्र होने और डकैती के लिए बीएनएस के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस द्वारा अब तक छह गिरफ्तारियां की जा चुकी हैं। दोषियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने और ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए एनएचएआई के समक्ष भी विरोध दर्ज कराया गया है। भारतीय सेना न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।'

अजीत डोभाल से मिले चीनी विदेश मंत्री

नई दिल्ली। भारत दौरे पर आए चीनी विदेश मंत्री वांग यी और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के बीच मंगलवार को अहम बैठक हुई। इस दौरान डोभाल ने कहा कि सीमा पर शांति और सौहार्द बना हुआ है। मुझे उम्मीद है कि विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता सफल होगी। हमारे प्रधानमंत्री एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए चीन का दौरा करने वाले हैं। इसलिए आज की वार्ता बहुत महत्वपूर्ण है।

चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ बैठक के दौरान एनएसए अजीत डोभाल ने कहा, 'एक सकारात्मक रुख देखने को मिला है। सीमा पर शांति है। सौहार्द बना हुआ है। हमारे द्विपक्षीय संबंध और भी मजबूत हुए हैं। हम अपने नेताओं के प्रति अत्यंत आभारी हैं, जिन्होंने पिछले अक्तूबर में कजान में एक नया रुख स्थापित किया और तब से हमें काफी फायदा हुआ है।

चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा, 'सीमा विवाद पर चीन और भारत के विशेष प्रतिनिधियों के बीच वार्ता के इस दौर के लिए नई दिल्ली में आपसे फिर मिलकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। पिछले कुछ वर्षों में हमें जो असफलताएं झेलनी पड़ीं, वे दोनों देशों की जनता के हित में नहीं थीं।